LESSON – 01

# MODEL SET I

(A) वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(1) हड़प्पा सभ्यता किस काल की सभ्यता थी?

Ans. कांस्य युग की

(2) हड़प्पा सभ्यता में सर्वप्रथम किस स्थल का उत्खनन हुआ?

Ans. हड़प्पा का

(3) निम्नलिखित में से हड़प्पा सभ्यता का सबसे बड़ा नगर कौन था?

Ans. मोहनजोदड़ो

(4) भारतीय पुरातत्व का पिता किसे कहा जाता है?

Ans. अलेक्जेंडर कनिंघम को

(5) सिंधुवासी किस धातु का व्यवहार नहीं करते थे?

Ans. लोहा का

(6) चन्हुदड़ो उत्पादन केन्द्र था?

Ans. मनका बनाने का

(7) सिंधु सभ्यता में नर्तकी की मूर्ति कहाँ से मिली?

Ans. मोहनजोदड़ो से

(8) सिंधु सभ्यता का कौन सा स्थल मृतकों का टीला के रूप में विख्यात है?

Ans. मोहनजोदड़ो

(9) पशुपति शिव की मुहर पर किस पशु का चित्र नहीं है?
Ans. साँड़ का।

(10) तौलने की इकाई के रूप में सिंधुवासी किस अंक था उसके गुणांक का व्यवहार करते थे?
Ans. चार (4) का।

(B) लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions):

(1) सिंधु सभ्यता में अन्नागारों का क्या महत्व था?
Ans. अन्नागार :- सिन्धु सभ्यता में अन्नागारों का विशेष महत्व था। मेसोपोटामिया में अतिरिक्त उत्पादन अथवा कर के रूप में वसूला जाने वाला अनाज मंदिरों में सुरक्षित रखा जाता था, वहां सिंधु सभ्यता में इसका संचय करने के लिए अन्नागार बनवाए गए थे। ऐसे अन्नागार मोहनजोदड़ो, हड़प्पा, कालीबंगान, चन्हुदड़ो, लोथल जैसे स्थलों से प्रकाश में आए हैं। मोहनजोदड़ो का अन्नागार सबसे बड़ा था। यह करीब 45.72 मीटर लंबा और 15.23 मीटर चौड़ा था। इसका मुख्य प्रवेशद्वार नदी की ओर था। हड़प्पा के दुर्ग में भी 6-6 की संख्या वाले ईंटों के चबूतरे मिले हैं इन्हें भी अन्नागार माना गया है प्रत्येक अन्नागार की लम्बाई-चौड़ाई 15.23 x 6.09 मीटर थी।

(2) मोहनजोदड़ो के विशाल स्नानागार के विषय में आप क्या जानते हैं?

Ans: मोहनजोदड़ो का सबसे प्रमुख भवन विशाल स्नानागार (Great Bath) है। यह दुर्ग के भीतर बना एक आयताकार जलाशय था जिसकी लम्बाई, चौड़ाई तथा गहराई 12 x 7 x 2.5 मीटर थी। यह चारों ओर से एक गलियारे से घिरा हुआ था इस जलकुंड में प्रवेश करने के लिए दक्षिणी और उत्तरी सिरों पर ईंटों की सीढ़ियाँ बनाई गई थी। इसका फर्श पक्की ईंटों का बना हुआ था। जलाशय के तीनों ओर कमरे बने हुए थे। जो सम्भवतः दो मंजिला थे एक कमरे में बड़ा कुआँ था जिसका जल जलाशय में आता था। जलाशय के पानी निकासे के लिए बड़ा नाला बना हुआ था। पुराविदों का अनुमान है कि इस जलाशय का व्यवहार आनुष्ठानिक स्नान के लिए होता था।

Scanned with CamScanner

Q) हड़प्पा सभ्यता के नगरों का पतन किस प्रकार हुआ? अथवा हड़प्पा सभ्यता के पतन के कारणों का उल्लेख करें।

हड़प्पा सभ्यता के प्राचीन साहित्य से पता चलता है कि अपने अस्तित्व में यह सभ्यता अर्थात ई० पू० द्वितीय शताब्दी के मध्य तक यह सभ्यता पूरी तरह विलुप्त हो गई थी। हड़प्पा सभ्यता के काल एवं निर्माताओं की तरह ही इसके पतन को लेकर भी विभिन्न विद्वानों में भी आपसी मतभेद है।

सर्वश्री मोहोल, मैके एवं एम० आर० साव हड़प्पा सभ्यता के पतन का कारण नदी में आए बाढ़ को मानते हैं। चूँकि हड़प्पा नगर नदियों के तट पर बसे हुए थे। जहाँ हर साल बाढ़ आता था। मोहनजोदड़ो और हड़प्पा की खुदाइयों से पता चलता

है कि इस सभा का अनेकों बार पुर्ननिर्माण हो चुका था क्योंकि पर बाढ़ आने से बालू की परतें मिली है।

नदी में आने वाली बाढ़ को यदि पतन का कारण माना जाए तो यह प्रश्न उठता है कि जो नगर नदियों के तट पर नहीं थे उसका पतन किस प्रकार हुआ होगा। अतः निश्चित रूप से इस सभ्यता के पतन का कुछ और कारण रहा होगा। इस बारे में मार्टीमर ~~व्हीलर~~ व्हीलर, गार्डन चाइल्ड, पिगट आदि विद्वानों ने इसका कारण बाह्य आक्रमण को माना है कि साक्ष्यों से पता चलता है कि मोहनजोदड़ो को लूटा गया था और वहाँ लोगों की हत्या कर दी गई थी। व्हीलर के अनुसार 1500 ई०पू० आर्यों ने आक्रमण कर हड़प्पा सभ्यता के नगरों को ध्वस्त कर दिया था। ऑरेल स्टाइन, ए०एन० घोष आदि विद्वान जलवायु परिवर्तन को इसके विनाश का कारण मानते हैं। एस० आर० साहनी जैसे भूतत्व वैज्ञानिक अत्यधिक जल प्लावन को इस सभ्यता के पतन का कारण मानते हैं (सूखा होना)।

माधोस्वरूप वत्स एवं एच०टी० लैम्ब्रिक के अनुसार नदियों के मार्गों में हुआ परिवर्तन इस सभ्यता के पतन का कारण बना। इसके अलावा समय-समय पर आने वाले भूकंप से भी नगरों का विकास हुआ होगा।

के० यू० आर० केनेडी, मलेरिया एवं महामारी जैसे प्राकृतिक आपदाओं को इसके पतन का कारण मानती है।

इस प्रकार उपयुक्त सभी कारणों से हड़प्पा सभ्यता के नगरों का विनाश किया।

Scanned with CamScanner